GIRLS' HIGH SCHOOL & COLLEGE, PRAYAGRAJ
SESSION - 2020 - 2021
CLASS - VIII^th A, B, C, D, E
SUB. - HINDI LANGUAGE
WORKSHEET NO - 04

निर्देश :- अभिवावकों से ये अपेक्षा की जाती है कि वे ये सुनिश्चित करें कि छात्रा दी गई विषयवस्तु एवं पाठ का दो दिनों तक ध्यानपूर्वक अध्ययन करे, तत्पश्चात् दिए गए प्रश्नों का निर्देशानुसार उत्तर दे।

नोट :- पाठ्यपुस्तक :- उद्बोधन व्याकरण शृंखला-भाग-8

वेवसाइट :- यू ट्यूब M.S. SSC NOTES for all

व्याकरण

(समास, शब्द भण्डार, पत्र, निबन्ध, अपठित गद्यांश)

समास के भेद :- समास के चार भेद होते हैं :-

1- अव्ययीभाव समास
2- द्वन्द्व समास
3- बहुव्रीहि समास
4. तत्पुरुष समास - उपभेद :- (I) द्विगु (II) कर्मधारय

1- अव्ययीभाव समास :- 'अव्ययी भाव' का अर्थ होता है 'अव्यय हो जाना'। मिस समास का पहला पद अव्यय होता है और उसके योग से समस्त पद अव्यय हो जाता है, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।
अव्ययीभाव समास लिंग, वचन, कारक, काल आदि की दृष्टि से नहीं बदलते हैं।

उदाहरण :-

समस्त-पद	समास विग्रह
भरपेट	पेटभर
यथाविधि	विधि के अनुसार

Scanned with CamScanner

2- द्वन्द्व समास :- जिस समास में दोनों पद समान महत्व के होते हैं, उन्हें द्वन्द्व समास कहते हैं। द्वन्द्व समास में समस्त-पद बनाते समय योजक चिह्न (-) का प्रयोग किया जाता है तथा समास विग्रह करते समय योजक चिह्न के स्थान पर दोनों पदों के बीच में 'या', और 'एवं' योजक शब्द लगते हैं।

उदाहरण :-

समस्त-पद	समास विग्रह
लव-कुश	लव और कुश
पिता-पुत्र	पिता और पुत्र

3- बहुव्रीहि समास :- जिस समास में कोई भी पद प्रधान न होकर कोई अन्य पद (तीसरा पद) प्रधान होता है, उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं।
बहुव्रीहि समास से निर्मित शब्द विशेषण का कार्य करता है।

उदाहरण :

समस्त-पद	समास विग्रह
नीलकंठ	नीला है कंठ जिनका (शिव)
तिरंगा	तीन हैं रंग जिसमें (राष्ट्रध्वज)

4- तत्पुरुष समास :- जिस समास का दूसरा पद प्रधान होता है और समस्त-पद बनाते समय दोनों पदों के बीच से कारकों के परसर्ग हट जाते हैं, उन्हें तत्पुरुष समास कहते हैं।
इस समास में कारकों की विभक्तियों के नाम के अनुसार इसके छह भेद किए गए हैं।

(i) कर्म तत्पुरुष :-

समस्त-पद	समास विग्रह
यशप्राप्त	यश को प्राप्त
पापनाशक	पाप को नष्ट करने वाला

Scanned with CamScanner

(ii) करण तत्पुरुष :- समस्त-पद | समास विग्रह
रेखांकित | रेखा से अंकित
रोगग्रस्त | रोग से ग्रस्त

(iii) सम्प्रदान तत्पुरुष :- समस्त-पद | समास विग्रह
देशभक्ति | देश के लिए भक्ति
सत्याग्रह | सत्य के लिए आग्रह

(iv) अपादान तत्पुरुष :- समस्त-पद | समास विग्रह
जन्मांध | जन्म से अंधा
भयभीत | भय से भीत

(v) सम्बन्ध तत्पुरुष :- समस्त-पद | समास विग्रह
सेनानायक | सेना का नायक
राजपुत्र | राजा का पुत्र

(vi) अधिकरण तत्पुरुष :- समस्त-पद | समास विग्रह
गृहप्रवेश | गृह में प्रवेश
स्कूटरसवार | स्कूटर पर सवार

उपभेद

(i) द्विगु समास :- जिस समास का पहला पद संख्यावाची विशेषण होता है और समस्त-पद से समाहार यानी समूह का बोध होता है, उसे द्विगु समास कहते हैं।

उदाहरण :- समस्त-पद | समास विग्रह
त्रिभुज | तीन भुजाओं का समूह
नवरात्र | नव रात्रियों का समूह

(ii) कर्मधारय समास :- जिस समास के दोनों पदों में विशेषण-विशेष्य या उपमेय-उपमान का सम्बन्ध होता है और उत्तर पद प्रधान होता है, उसे कर्मधारय समास कहते हैं।

Scanned with CamScanner

उदाहरण :- समस्त-पद | समास विग्रह

पीताम्बर | पीत (विशेषण) अंबर (विशेष्य) = पीत है जो अंबर

चरण कमल | चरण (उपमेय) कमल (उपमान) = कमल के समान चरण

प्रश्न-1 दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

(i) समास के कितने प्रकार हैं ? उनके नाम लिखते हुए प्रत्येक की उदाहरण सहित परिभाषा भी लिखिए।

(ii) समास-विग्रह करके समास के भेद का नाम लिखिए :- यथाशक्ति, चौराहा, गजानन, संसारसागर, अन्न-जल, कालीमिर्च, दानवीर, वीणापाणि, जेबकतरा, प्रत्येक।

(iii) समस्त-पद बनाकर समास का नाम लिखिए :- लाभ या हानि, तीन कालों का समाहार, सुंदर है जो कन्या, बिना कसूर के, कमल के समान नयन, मन से चाहा, रात ही रात में, नौ निधियों का समाहार एक है दाँत जिनका, साग और सब्ज़ी।

प्रश्न-2 निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :-

(i) अधोलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :- विश्व, सुन्दर, सूर्य, शिक्षक, स्वर्ग।

(ii) अधोलिखित शब्दों के विलोम लिखिए :- उपयोग, सरस, सभ्य, दुर्गुण, कुटिल।

(iii) अधोलिखित अनेकार्थी शब्दों के अर्थ लिखिए :- घन, यम।

(iv) अधोलिखित श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखिए :- नग - नाग, कर्म - क्रम।

Scanned with CamScanner

(v) अधोलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए:-
जो किया न जा सके, जिसका कोई शत्रु न हो ।

(vi) अधोलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए:-
आँखे फटी की फटी रह जाना, आम के आम, गुठलियों के दाम, आकाश से बातें करना, आँखों में धूल झोंकना ।

प्रश्न-3 पत्र लेखन :-
अपनी बुआ जी को विद्यालय के खेल-दिवस एवं उसमें जीते पुरस्कार के विषय में बताते हुए पत्र लिखिए।

प्रश्न-4 निबन्ध लेखन :-
निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में संक्षिप्त में मौलिक कहानी लिखिए:-
(i) 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे'।
(ii) 'मधुर वचन है औषधि कटुक वचन है तीर'।

प्रश्न-5 अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। उत्तर आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :—
आगामी आधी शताब्दी के लिए यह जननी जन्मभूमि, मानो तुम्हारी आराध्या देवी बन जाए। इस आधी शताब्दी के लिए मस्तिष्क से अन्यान्य देवी-देवताओं को हटाने में भी कुछ हानि नहीं है। अपना सारा ध्यान इसी एक ईश्वर पर लगाओ। देश को जगाओ, इसी में उस परमब्रह्म परमात्मा को देखो। सर्वत्र उसके हाथ हैं, सर्वत्र उसके पैर हैं और सर्वत्र उसके कान हैं। समझ लो कि अन्यान्य देवी-देवता सो रहे हैं। जिन देवी-देवताओं को देख नहीं पाते

Scanned with CamScanner

हैं, उनके पीछे तो हम बेकार दौड़ें और ईश्वर के जिस विराट रूप को हम अपने चारों ओर देख पा रहे हैं, उसकी पूजा ही न करें? जब हम सामने आए हुए इस देवता की पूजा कर लेंगे, तभी हम अन्यान्य देवी-देवताओं की पूजा करने योग्य होंगे, अन्यथा नहीं। आधा मील चलने की तो हममें शक्ति ही नहीं और हम हनुमान जी की तरह छलांग लगाकर समुद्र पार करने की इच्छा करें? नहीं, ऐसा हो ही नहीं सकता। ये मनुष्य और पशु जिन्हें हम अपने आस-पास और आगे-पीछे देख रहे हैं, ये ही हमारे देवी-देवता हैं। इनमें सबसे पहले पूजा करो अपने देशवासियों की। इनकी सेवा करो, इनका सम्मान करो, ईर्ष्या-द्वेष का भाव अपने मन से निकाल दो, यही सच्ची पूजा है। झगड़ा मिटाकर सद्भाव स्थापित करने का ही नाम पूजा है। हमारे लिए यही परम कर्तव्य है और जिसे न करने का फल हम हाथों-हाथ पा रहे हैं।

(i)- लेखक आधी शताब्दी तक हमें क्या करने के लिए कह रहे हैं?

(ii) मातृभूमि की आराधना किस प्रकार की जा सकती है?

(iii) लेखक ने किस-किसको देवी-देवताओं के रूप में देखने की बात की है?

(iv) लेखक के अनुसार सच्ची पूजा क्या है?

(v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखते हुए 'शताब्दी' तथा 'ईर्ष्या-द्वेष' का विग्रह करके समास का भेद बताइए।

END

Scanned with CamScanner